सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं के मूल्यों एवं व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

डा० शुभ्रा ओझा
शेपा, एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी,
E-mail: Shubhra.Shubhraojha@gmail.com

एक छात्र के जीवन में व्यावसायिक अभिवृत्ति विकास के दौरान उसके व्यक्तित्व में समाहित मूल्यों की प्रमुख भूमिका होती है परन्तु क्या यह मूल्य छात्र और छात्राओं पर अलग–अलग ढंग से प्रभाव डालते है? इसी प्रश्न का उत्तर जानने के लिए शोध अध्ययन किया जिसे प्रस्तुत प्रपत्र में आलेखित किया गया है। वाराणसी शहर के सी0बी0एस0ई0 बोर्ड से अध्ययनरत 100 छात्र एवं 100 छात्राओं के मूल्यों एंवं व्यावसायिक अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया जिसमें उपकरण के रूप में एस0पी0 कुलश्रेष्ठ द्वारा निर्मित ''मूल्य–अध्ययन मापनी'' (1971) तथा शोधार्थी द्वारा निर्मित ''व्यावसायिक अभिवृत्ति स्केल'' का प्रयोग किया गया। शोध में योग किया गया है। शोध के परिणाम स्वरूप यह पाया गया कि छात्र और छात्राओं के मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है जबकि उनके व्यावसायिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया है।

Key words : *मूल्य, व्यावसायिक अभिवृत्ति।*

प्रस्तावना

किसी भी व्यक्ति के जीवन में व्यवसाय चयन की प्रक्रिया उसके बाल्यकाल से प्रारम्भ होकर किशोरावस्था एवं कभी कभी पूर्व प्रौढ़ावस्था तक चलती रहती है। व्यवसाय चयन की यह प्रक्रिया बालक के क्षमताओं, मूल्यों, संसाधनों अवसरों तथा अभिरूचियों आदि पर निर्भर करती है। जैसा **सुपर** और **क्राइट्स** (1962) ने कहा है कि मूल्य और रुचियाँ व्यक्ति के व्यावसायिक सामञ्जस्य को प्रभावित करते हैं । उनका मानना है कि मूल्य व्यक्तित्व के गहन परतों में समाहित होते हैं तथा व्यावसायिक अभिरुचियाँ मूल्यों के परतों के ऊपरी सतह पर स्थित होती है। **बेल** (1970) का विचार है कि व्यावसायिक चयन में मूल्य एक अति महत्त्वपूर्ण निर्धारण की भूमिका निभाता है।

एक विद्यार्थी के शैक्षिक जीवन में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर की भूमिका अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यही वह समय है जब वह व्यवसाय चयन के विकास की प्रक्रिया से गुजरता है। **सुपर** और **क्राइट्स** (1962) के अनुसार 18 से 20 वर्ष के बीच की अवस्था व्यवसाय चयन में स्थिरता प्रदान करने की अवस्था है। **स्ट्रांग** (1931) का भी यही मानना है कि छात्र जीवन की यह अवस्था व्यावसायिक विकास में अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं निर्णायक है। प्रस्तावित शोध प्रपत्र में यह जानने का प्रयास किया गया है कि सी0 बी0 एस0 ई0 बोर्ड के विद्यार्थियों के मूल्यों और

व्यावसायिक अभिवृत्ति का स्तर क्या है और छात्र एवं छात्राओं की इस क्षेत्र में तुलनात्मक स्थिति क्या है?

पेस्टनजी, अख्तर और **चौधरी** (Petonjee, Akhtar and Choudhary) (1967) ने 979 छात्र और छात्राओं के व्यावसायिक मूल्यों का अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि जो विद्यार्थी मूल्यों में कमतर स्थान रखते थे वे व्यावसायिक चयन में उच्च स्थान रखते थे। छात्र राजनीतिक मूल्यों में तथा छात्राएं सामाजिक मूल्यों में तुलनात्मक रूप से उच्च थे।

यादव (1979) ने कक्षा 11 और कक्षा 12 के विद्यार्थियों के व्यावसायिक चयन के साथ बुद्धि, सामाजिक–आर्थिक स्थिति, मूल्यों एवं आवश्यकताओं के सम्बन्ध पर अध्ययन कर निष्कर्ष निकाला कि विज्ञान के विद्यार्थी भौतिक विज्ञानों तथा कृषि के छात्रों ने executive jobs को प्राथमिकता प्रदान की।

ट्रेसी, टेरेन्स और **हॉपकिन्स** (2001) ने हाईस्कूल के छात्रों पर शोध के परिणाम स्वरुप यह ज्ञात किया कि अभिरुचि और योग्यता व्यवसाय चयन के क्षेत्र में स्व–आंकलन की अपेक्षा अधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समस्या कथन

उद्देश्य–

- ❒ सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र और छात्राओं के छः मूल्यों की तुलना करना।
- ❒ सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र और छात्राओं के व्यावसायिक अभिवृत्ति की तुलना करना।

परिकल्पना–

- ❒ सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र और छात्राओं के छः मूल्यों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।
- ❒ सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र और छात्राओं के व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

प्रतिदर्श

प्रस्तुत अध्ययन में वाराणसी शहर के सी0बी0एस0ई0 बोर्ड द्वारा संचालित विद्यालयों के 200 विद्यार्थियों को सम्मिलित किया गया जिसमें से 100 छात्र एवं 100 छात्राएं शामिल थीं। समस्त प्रतिदर्श में 11वीं एवं 12वीं के छात्र छात्राओं को सम्मिलित किया गया है।

सी0 बी0 एस0 ई0बोर्ड के विद्यार्थी	संख्या
छात्र	100
छात्राएं	100
कुल योग	200

उपकरण–

- ❒ प्रस्तुत अध्ययन में मूल्यों के परीक्षण के लिए एस. पी. कुलश्रेष्ठ द्वारा प्रस्तुत ''मूल्य–अध्ययन'' (study of values) को प्रयोग में लाया गया है। यह प्रश्नावली आलपोर्ट –वर्नन के मूल्य अध्ययन का हिन्दी भाषा में संशोधित,परिवर्धित एवं अंगीकृत रुप (1970) है । इस प्रश्नावली के दो भाग हैं। दोनों भागों में कुल 45 कथन प्रश्न दिए हैं। प्रथम भाग में 30 प्रश्न तथा द्वितीय भाग में 15 प्रश्न हैं। इस प्रश्नावली में मूल्यों को छः पक्षों में बांटा गया है। ये छः पक्ष निम्नलिखित हैं –
  - (i) सैद्धान्तिक मूल्य
  - (ii) आर्थिक मूल्य
  - (iii) सौन्दर्यात्मक मूल्य
  - (iv) सामाजिक मूल्य

(v) राजनैतिक मूल्य

(vi) धार्मिक मूल्य

- व्यावसायिक अभिवृत्ति मापन के लिए शोधार्थी द्वारा विकसित ''व्यावसायिक–अभिवृत्ति स्केल'' (Occupational Attitude Scale) का प्रयोग किया गया है । इस प्रश्नावली में कुल 40 कथन निहित हैं।

प्रदत्त संग्रह एवं विश्लेषण–

प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पना के परीक्षण हेतु मध्यमान व प्रामाणिक विचलन ज्ञात किये गये तथा मध्यमानों में अंतर की सार्थकता को ज्ञात करने के लिए 't-test' का प्रयोग किया गया है। विश्लेषण के आधार पर प्राप्त निष्कर्ष को निम्नलिखित सारणियों द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है–

सारणी–1: सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं के छः मूल्यों से सम्बन्धित तालिका

क्र. सं.	छः मूल्य	छात्र			छात्राएं			क्रान्तिक अनुपात (t-value)
		संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
1	सैद्धान्तिक मूल्य	100	45.71	5.77	100	44.97	4.01	1.50
2	आर्थिक मूल्य	100	37.31	5.61	100	38.16	5.29	1.10
3	सौन्दर्यात्मक मूल्य	100	32.90	4.89	100	31.75	6.66	1.39
4	सामाजिक मूल्य	100	43.12	6.08	100	45.35	7.19	0.09
5	राजनैतिक मूल्य	100	40.31	5.69	100	38.98	4.64	1.81
6	धार्मिक मूल्य	100	40.67	5.57	100	40.79	4.34	0.17

***** 0.05 सार्थकता स्तर

उपरोक्त सारणी के अवलोकन से ज्ञात होता है कि छः मूल्यों के सन्दर्भ में सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। सैद्धान्तिक, सौन्दर्यात्मक और राजनैतिक मूल्य में छात्रों ने उच्च स्तर प्राप्त किया है जबकि आर्थिक, सामाजिक एवं धार्मिक मूल्यों में छात्राओं ने अधिक प्राप्तांक अर्जित किया है। परन्तु यह अन्तर 0.5 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः परिकल्पना संख्या–1 स्वीकृत की जाती है।

सारणी–2

सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं के व्यावसायिक अभिवृत्ति से सम्बन्धित तालिका

क्र. सं.	चर	छात्र			छात्राएं			क्रान्तिक अनुपात (t-value'
		संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	संख्या	मध्यमान	प्रामाणिक विचलन	
1	व्यावसायिक अभिवृत्ति	100	148.70	11.69	100	152.92	12.92	2.42

***** 0.05 सार्थकता स्तर

उपरोक्त सारणी को देखने से ज्ञात होता है कि t-value 2.42 है जो 0.05 विश्वास स्तर के मान से अधिक है। अर्थात् दोनों मध्यमानों के मध्य सार्थक अन्तर है। अतः यहाँ पर यह शून्य परिकल्पना अस्वीकृत होती है कि–सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं के व्यावसायिक अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध में परिकल्पनाओं के परीक्षण करने के पश्चात् निष्कर्ष निकलता है कि सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र और छात्राओं के मूल्यों में तुलना करने पर कोई सार्थक अन्तर नहीं प्राप्त हुआ है। जबकि दोनों समूहों के व्यावसायिक अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया अर्थात् सी0बी0एस0ई0 बोर्ड के छात्र और छात्राओं के मध्य व्यावसायिक अभिवृत्ति के प्रति सार्थक अन्तर है।

सुझाव – निष्कर्ष के आधार पर निम्नलिखित सुझाव दिए गये–

- विद्यार्थियों की शिक्षा में जो भी मूल्य शिक्षा के लिए प्रावधान किए गये हैं उनका अनुप्रयोग धरातल स्तर पर किया जाए।
- समय–समय पर गोष्ठियाँ, भाषण, वाद–विवाद आयोजित किये जाते रहें जिसमें मूल्य–निर्माण एवं मूल्य वृद्धि से निर्मित होने वाले प्रभावशाली व्यक्तित्व का चित्रण किया जाए।
- छात्र और छात्राओं के व्यावसायिकता के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति को और अधिक प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
- पाठ्यक्रम में उपस्थित मूल्य शिक्षा को इस तरह से सरल और रोचक बनाना चाहिए जिससे छात्रों को यथार्थ रूप से इसकी उपयोगिता दिखाई दे।

सन्दर्भ

[1] ट्रेसी, टेरेन्स, हॉपकिन्स, जे. जी. (2001): करेसपॉन्डेन्स ऑफ इन्ट्रेस्ट्स एन्ड एबीलिटिस विथ ऑक्यूपेशनल च्वॉयस, ''जर्नल ऑफ काउन्सलिंग साइकॉलजी, वाल्यूम 48 प 0 178–189

[2] पेस्टनजी, अख्तर और चौधरी (1967): ''ऑक्यूपेशनल वैल्यूस'' इन्डियन साइकोलॉजिकल रिव्यूव, 4,1

[3] बेल,ई. एच. (1980) सोशल फाउन्डेशन ऑफ ह्यूमन बिहैवियर, न्यूयार्क : हार्पर और रो, प 0 399

[4] यादव, आर. के (1979) ''ए स्टडी ऑफ मोटिव्स ऑफ वोकेशनल प्रिफरेन्सेस ऑफ एडोलसेन्ट्स,'' लघुशोध प्रपत्र, शिक्षा विभाग, आगरा विश्वविद्यालय।

[5] स्ट्रान्ग, ई0 के0 (1931) चेन्जेस इन इन्टेस्ट विथ एज. स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया, पृ. 7

[6] सुपर और क्राइट्स (1962) एप्रेसिं वोकेशनल फिटनेस, न्यूयार्क, हार्पर और रो, प 0 377–380